Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 18 April 2024

Dainik Jagran Page - 04

गोवि ने 70 देशों के दूतावासों को भेजी प्रवेश विवरणिका

- विदेशी छात्रों को आकर्षित करने में जुटा विश्वविद्यालय प्रशासन
- अफ्रीकी देशों, एशियाई, कैरेबियन दूतावासों से भी किया संपर्क

जासं, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में विदेशी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने का सकारात्मक प्रयास शुरू कर दिया है। विश्वविद्यालय ने दुनिया के कई देशों के दूतावासों से संपर्क साधा है। 70 देशों के दूतावासों में प्रवेश विवरणिका भेज दी गई है। इसके अलावा कई अन्य देशों में भी विवरणिका भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारतीय उच्चायोग और सभी राष्ट्रमंडल सदस्य देशों के वाणिज्य दूतावासों के साथ भी अपनी प्रवेश विवरणिका भेजी है। इसे सभी सदस्य देशों में प्रसारित करने के आदेशपत्र के साथ लंदन स्थित राष्ट्रमंडल देशों के संगठन के मुख्यालय में विवरणिका भेजी गई है।

दूतावासों व वाणिज्य दूतावासों को भी अपनी प्रवेश विवरणिका भेजी है। इसे सभी सदस्य देशों में प्रसारित करने के आदेशपत्र के साथ लंदन स्थित राष्ट्रमंडल देशों के संगठन के मुख्यालय के कार्यालय से भी साझा किया गया है। हाल के वर्षों में नैक के मूल्यांकन में ए-प्लस प्लस ग्रेड, क्यूएस समेत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में जगह बनाने के कारण उच्च शिक्षा जगत में विश्व फलक पर विश्वविद्यालय के नाम बढ़ा है। विश्वविद्यालय इस उपलब्धि के सहारे विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने में जुटा है। विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार विवरणिका में सुविधाओं का पूरा विस्तृत उल्लेख किया है।

वे साझेदार भी बनेंगे मददगार: अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ ने नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान के विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की हाथ आगे बढ़ाया है। विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि नामांकन प्रक्रिया सुविधाजनक और लचीलेपन होने के कारण ये भी मददगार साबित होंगे।

छह देशों के विद्यार्थियों ने दिखाई रुचि: विश्वविद्यालय ने चार सरकार के 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल पर भी पंजीकरण कराया है। विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने में इसका चयनित विश्वविद्यालय को मिलने लगा है। नेपाल, घाना, सेनेगल, लेसोथो, बांग्लादेश और नेपाल के छात्रों ने रुचि दिखाई है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदीयू

> क्यूस सहित कई अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने सम्मानित जगह बनाई है। इसका फायदा हमें इस बार जरूर मिलेगा। इसे तेजर प्रयास भी किया जा रहा है। अब तक कुल 70 देशों के दूतावासों को प्रवेश विवरणिका भेजी जा चुकी है। पूरी उम्मीद है कि इस बार अपेक्षाकृत अधिक संख्या में विदेशी विद्यार्थी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेंगे।
>
> **प्रो. पूनम टंडन,**
> कुलपति, दीदीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय

---

112 स्वर्ण पदक से सम्मानित किए जाएंगे गोरखपुर विश्वविद्यालय के 46 टापर

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर एक महुं को जिन परास्नातक टापरों को स्वर्ण पदक दिया जाना है, उनके नाम की अनंतिम सूची और पदकों की संख्या विश्वविद्यालय प्रशासन ने जारी कर दी है। सूची के मुताबिक कार्यक्रम में 112 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे, जिन्हें 46 टापर ग्रहण करेंगे। इनमें 46 विश्वविद्यालय व 66 स्पृति पदक शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने अनंतिम सूची में आपत्ति दाखिल करने की अंतिम तिथि 18 अप्रैल शाम पांच बजे तक निर्धारित की है।

विश्वविद्यालय में बीते वर्ष 18 सितंबर को 42वां दीक्षा समारोह आयोजित हुआ था। आनन-फानन आयोजित हुए उस समारोह में रिजल्ट तैयार न होने की वजह से परास्नातक टापरों को पदक नहीं दिया जा सका, केवल स्नातक टापर ही पदक पा सके। उस समय कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने परास्नातक टापरों को पदक देने के लिए अलग से कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की थी। उसी कार्यक्रम को स्थापना दिवस कार्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। परीक्षा नियंत्रक डा. कुलदीप सिंह ने बताया कि परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रम के साथ ही बीबीए, बीसीए, बीफीए तथा एलएलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिलेगा।

गांव में शुरू करें लीगल क्लीनिक वाणिज्य क्षेत्र में कंसल्टेंसी : वीसी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विधि संकाय के अध्यक्ष से कहा कि वह गांवों में लीगल एड क्लीनिक की शुरुआत करें, जिससे गांव के लोगों को विधिक अधिकारों की जानकारी हो सके। वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष को सलाह दी है कि वह कंसल्टेंसी के क्षेत्र में विकल्पों की तलाश करें। कुलपति शिक्षा संकाय, विधि संकाय तथा वाणिज्य संकाय के विभागों द्वारा उपलब्ध कराई गई एकेडमिक आडिट रिपोर्ट की संकायवार समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने वाणिज्य संकाय और अर्थशास्त्र विभाग की अकादमिक व आनुषंधानिक प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही यह सलाह दी कि संकाय व विभाग के शिक्षक विश्वविद्यालय में अधिक से अधिक प्रोजेक्ट लाने की दिशा में काम करें। विधि संकाय की एकेडमिक आडिट की समीक्षा करते हुए कुलपति ने संकायाध्यक्ष को निर्देशित किया कि वह लीगल एड कउंसिल को सक्रिय करें। बैठक में विधि विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो. श्रीवर्धन पाठक, शिक्षा संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. सरिता पांडेय, विधि विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो. अहमद आदि रहे।

Amar Ujala Page - 04

स्थापना दिवस पर 46 टॉपर्स को मिलेंगे गोल्ड मेडल

दीदीयू : मेधावियों को दिए जाएंगे विश्वविद्यालय समेत 112 स्वर्ण पदक, टॉपर्स सूची जारी कर 18 अप्रैल तक मांगी आपत्ति

70 देशों के दूतावासों को भेजी प्रवेश विवरणिका

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों को आकर्षित करने की कवायद शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारत में स्थित विदेशी दूतावासों में संपर्क साधना शुरू कर दिया है।

कुल 70 देशों के दूतावासों को प्रवेश विवरणिका भेजी गई है। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावासों से भी प्रवेश विवरणिका साझा की जा रही है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारतीय उच्चायोग और सभी राष्ट्रमंडल सदस्य देशों के वाणिज्य दूतावासों के साथ भी अपनी प्रवेश विवरणिका भेजी है। इसे सभी सदस्य देशों में प्रसारित करने के आदेशपत्र के साथ लंदन स्थित राष्ट्रमंडल देशों के संगठन के मुख्यालय में विवरणिका भेजी गई है। वाणिज्य दूतावासों व वाणिज्य दूतावासों को भी अपनी प्रवेश विवरणिका प्रेषित किया है। प्रवेश विवरणिका को सभी सदस्य देशों में प्रसारित करने के आदेशपत्र के साथ लंदन स्थित राष्ट्रमंडल देशों के संगठन के मुख्यालय के कार्यालय से भी साझा किया गया है।

हाल के वर्षों में नैक मूल्यांकन में ए प्लस प्लस ग्रेड, क्यूएस समेत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में जगह बनाने के कारण उच्च शिक्षा जगत में विश्व फलक पर विश्वविद्यालय का नाम बढ़ा है। विश्वविद्यालय इस उपलब्धि के सहारे विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने में जुटा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेशी छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार कराए गए विवरणिका में विदेशी छात्रों के लिए सुविधाओं का भी विस्तृत उल्लेख किया है।

विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की कवायद

विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका वैश्विक स्तर पर साझा की जा रही है। अब तक कुल 70 देशों के दूतावासों को प्रवेश विवरणिका दी गई है। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावासों से भी प्रवेश विवरणिका साझा की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारत में स्थित विदेशी दूतावासों में संपर्क साधना शुरू कर दिया है। कुल 70 देशों के दूतावासों को प्रवेश विवरणिका भेजी गई है। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावासों से भी प्रवेश विवरणिका साझा की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारतीय उच्चायोग और सभी राष्ट्रमंडल सदस्य देशों के वाणिज्य दूतावासों के साथ भी अपनी प्रवेश विवरणिका भेजी है। इसे सभी सदस्य देशों में प्रसारित करने के आदेशपत्र के साथ लंदन स्थित राष्ट्रमंडल देशों के संगठन के मुख्यालय में विवरणिका भेजी गई है। इसके अलावा कई अन्य देशों में भी विवरणिका भेजने की व्यवस्था की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारतीय उच्चायोग और सभी राष्ट्रमंडल सदस्य देशों के वाणिज्य दूतावासों के साथ ही अफ्रीकी देशों, मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया और कैरिबियन देशों में स्थित भारतीय दूतावासों व वाणिज्य दूतावासों को भी अपनी प्रवेश विवरणिका भेजी है। इसे सभी सदस्य देशों में प्रसारित करने के आदेशपत्र के साथ लंदन स्थित राष्ट्रमंडल देशों के संगठन के महासचिव के कार्यालय को भी साझा किया गया है। हाल के वर्षों में नैक मूल्यांकन में ए-प्लस प्लस ग्रेड, क्यूएस समेत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में जगह बनाने के कारण उच्च शिक्षा जगत में विश्व फलक पर विश्वविद्यालय का नाम बढ़ा है। विश्वविद्यालय इस उपलब्धि के सहारे विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने में जुटा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेशी छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार कराए गए विवरणिका में विदेशी छात्रों के लिए सुविधाओं का भी विस्तृत उल्लेख किया है।

Inext Page - 04

धर्म और संस्कृति की दीवारें तक ही सीमित नहीं हैं 'कबीर के राम'

gorakhpur@inext.co.in
GORAKHPUR (17 April): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में संशोत बेलकेयर एंड डेवलपमेंट फार एम्पावर्ड सोसाइटी (स्पेडेस) और इलेक्ट्रानिक वेस्टर विकास कउंसिल आफ इंडिया (ईएसआईआइ) के साथ साझेदारी में 'मैमसंग इनोवेशन कैंपस' कार्यक्रम का शुभारंभ होगा. इसके तहत रोजगार संभावनाओं को बढ़ाने, एआइ, विग डेटा, आइओटी और कंप्यूटिंग तथा प्रोग्रामिंग जैसी नई तकनीकों की व्यावहारिक शिक्षा प्रदान की जाती है. इसके लिए पंजीकरण 16 अप्रैल से जारी है.

एक मई से शुरू होगा 'सैमसंग इनोवेशन'

इनोवेशन डीडीयूजीयू के बीरेक स्टूडेंट्स का कमाल, 'नोटियो' एक लकड़ाजी आधारा स्मार्ट डिवीस

अब से इमेज से पता चल जाएगी बीमारी

एग्जाम टाइम से बढ़ रहा स्क्रीन टाइम

अस्पतालों में लगेंगे 46 बेड, 66 वेंटीलेटर

अंतरराष्ट्रीय स्तर से करने को प्रोफेसर पढ़ाई

Rashtriya Sahara Page - 04, 07

स्थापना दिवस समारोह

दिए जायेंगे 112 स्वर्ण पदक

गोरखपुर (एसएनबी) : दीदउ गोविवि में एक मई को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विवि के स्नातकोत्तर प्रोग्राम के साथ साथ बीबीए, बीसीए, बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्णपदक वितरित किया जाएगा।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सहित कुल 112 स्वर्ण पदक से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मेधावियों विद्यार्थियों को 46 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 66 स्पॉन्सर्ड/डोनर स्वर्ण पदक दिया जाएगा। परास्नातक स्तर एवं अन्य कक्षाओं के वर्ष 2023 की परीक्षा में प्रथम प्रयास द्वारा सर्वोच्च सीजीपीए एवं बीबीए, बीसीए, बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची जारी कर दी गई है। प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड है। विधि संकाय गांव में शुरू करें लीगल एड क्लीनिक

■ डीडीयू का स्थापना दिवस समारोह पहली को

■ मेधावियों को मिलेगा 46 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 66 स्पॉन्सर्ड/ डोनर स्वर्ण पदक

गोरखपुर(एसएनबी) : दीदउ गोविवि का वाणिज्य संकाय कंसल्टेंसी के क्षेत्र में किकल्पों की तलाश करेगा। इसके साथ ही विधि संकाय को विभिन्नोदारी दी गई है को भी लीगल एड क्लीनिक की शुरुआत गांवों में करें। यह बातें कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शिक्षा संकाय, विधि संकाय तथा वाणिज्य संकाय के विभागों द्वारा उपलब्ध कराये गये एकेडमिक आडिट रिपोर्ट की संकायवार समीक्षा बैठक में कहीं। कुलपति ने कहा कि वाणिज्य संकाय प्रोजेक्ट लाने की दिशा में काम करें। कुलपति ने वाणिज्य संकाय के वाणिज्य विभाग तथा अर्थशास्त्र विभाग द्वारा लिखे गए रिसर्च पेपर्स तथा किताबों पर संतोष व्यक्त किया। कुलपति ने विधि संकाय की समीक्षा करते हुए संकायाध्यक्ष को निर्देशित किया कि वह लीगल एड कउंसिल को सक्रिय करें तथा इसके साथ ही गांवों में भी लीगल एड क्लीनिक संचालित की जाए। बैठक में शिक्षा संकाय द्वारा प्रस्तुत आडिट रिपोर्ट की भी समस्या की गई। कुलपति ने विभागों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शुरू की गई शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सभी की सराहना की। इसके साथ ही कुलपति ने कहा इन सभी गतिविधियों की रिपोर्ट बनाकर रखी जाए तथा इसको वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाए। इसके साथ ही गांवों में भी लीगल एड क्लीनिक संचालित की जाए। बैठक में शिक्षा संकाय द्वारा प्रस्तुत आडिट रिपोर्ट की भी समस्या की गई। कुलपति ने विभागों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शुरू की गई शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सभी की सराहना की। इसके साथ ही कुलपति ने कहा इन सभी गतिविधियों की रिपोर्ट बनाकर रखी जाए तथा इसको वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाए। बैठक में संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो.श्रीवर्धन पाठक, प्रो.सरिता पांडे, प्रो.नसीम अहमद, प्रो.संदीप कुमार, कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी, आईक्यूएसी के प्रो.गौरहरि बेहरा तथा शिक्षकगण शामिल हुए।

Amar Ujala Select Page - 03, 04

विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के लिए विश्वविद्यालय की कवायद

डीडीयू : विश्वविद्यालय ने 70 देशों के दूतावासों को भेजी प्रवेश विवरणिका

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों को आकर्षित करने की कवायद शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारत में स्थित विदेशी दूतावासों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। कुल 70 देशों के दूतावासों को प्रवेश विवरणिका भेजी गई है। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावासों से भी प्रवेश विवरणिका साझा की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारतीय उच्चायोग और सभी राष्ट्रमंडल सदस्य देशों के वाणिज्य दूतावासों के साथ ही अफ्रीकी देशों, मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया और कैरिबियन देशों में स्थित भारतीय दूतावासों व वाणिज्य दूतावासों को भी अपनी प्रवेश विवरणिका प्रेषित किया है। प्रवेश विवरणिका को सभी सदस्य देशों में प्रसारित करने के आदेशपत्र के साथ लंदन स्थित राष्ट्रमंडल देशों के संगठन के मुख्यालय के कार्यालय से भी साझा किया गया है।

हाल के वर्षों में नैक मूल्यांकन में ए प्लस प्लस ग्रेड, क्यूएस समेत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में जगह बनाने के कारण विश्व फलक पर डीडीयू का नाम चमका है। डीडीयू प्रशासन ने विदेशी छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार कराए गए विवरणिका में विदेशी छात्रों के लिए सुविधाओं का भी विस्तृत उल्लेख किया है।

ये विदेशी विश्वविद्यालय बनेंगे मददगार

कुलपति प्रो. पूनम टंडन के कार्यालय संभालने के बाद विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ ने नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान के विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की हाथ आगे बढ़ाया है। डीडीयू को उम्मीद है कि नामांकन प्रक्रिया सुविधाजनक और लचीलेपन होने के कारण ये साझेदार भी मददगार साबित होंगे।

छह देशों के छात्रों ने अब तक दिखाई रुचि

डीडीयू ने भारत सरकार के 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल पर भी पंजीकरण कराया है। उसका चयनित भी मिला है। कुल छह देशों केन्याना, घाना, सेनेगल, लेसोथो, बांग्लादेश और नेपाल के छात्रों ने डीडीयू के पाठ्यक्रम में रुचि दिखाई हुए विस्तृत जानकारी मांगी है।

Hindustan Page - 05

विश्वविद्यालय ने वेबसाइट पर जारी की सत्र-2023 के टॉपर्स की सूची, 18 अप्रैल तक मांगी गई है आपत्ति

46 टॉपर्स को मिलेंगे 112 स्वर्ण पदक

ये हैं विश्वविद्यालय के टॉपर्स की अनंतिम सूची

विधि संकाय गांव में शुरू करें लीगल एड क्लीनिक : वीसी

- कुलपति ने की गोविवि के अकादमिक ऑडिट रिपोर्ट की समीक्षा
- कुलपति बोलीं, कंसल्टेंसी में उपलब्ध करें विकल्प

70 दूतावासों को भेजी गई प्रवेश विवरणिका

ये भी बनेंगे मददगार

छह देशों के छात्रों ने अब तक दिखाई रुचि

- विदेशी छात्रों को आकर्षित करने की दिशा की कवायद
- अफ्रीकी, एशियाई, कैरेबियन दूतावासों से भी किया संपर्क

Swatantra Bharat

मेधावियों को स्वर्ण पदक से नवाजेगा विश्वविद्यालय

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 1 मई को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर प्रोग्राम के साथ साथ बीबीए, बीसीए, बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्णपदक वितरित किया जाएगा।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सहित कुल 112 स्वर्ण पदक से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मेधावियों विद्यार्थियों को 46 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 66 स्पॉन्सर्ड/डोनर स्वर्ण पदक दिया जाएगा। परास्नातक स्तर एवं अन्य कक्षाओं के वर्ष 2023 की परीक्षा में प्रथम प्रयास द्वारा सर्वोच्च सीजीपीए एवं बीबीए, बीसीए, बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों की प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची जारी कर दी गई है।

प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। बताते हैं कि प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची जारी कर दी गई है। आपत्ति या कोई कमी अभ्यर्थी को यदि कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 18.04.2024 (सायं 5:00 बजे तक) तक अभिलेख कक्ष/परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। तात्पर्य है कि विवि के 42वें दीक्षान्त समारोह में स्नातकोत्तर कक्षाओं एवं अन्य की परीक्षाफल घोषित न होने के कारण स्वर्ण पदक प्रदान नहीं किया जा सका था।

कंसल्टेंसी के क्षेत्र में कार्य करे वाणिज्य संकाय: कुलपति

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का वाणिज्य संकाय कंसल्टेंसी के क्षेत्र में किकल्पों की तलाश करेगा। इसके साथ ही विधि संकाय को जिम्मेदारी दी गई है को भी लीगल एड क्लीनिक की शुरुआत गांवों में करें।

यह बातें कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने शिक्षा संकाय, विधि संकाय तथा वाणिज्य संकाय के विभागों द्वारा उपलब्ध कराये गए एकेडमिक आडिट रिपोर्ट की संकायवार समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक में कुलपति ने वाणिज्य संकाय के वाणिज्य विभाग तथा अर्थशास्त्र विभाग द्वारा लिखे गए रिसर्च पेपर्स तथा किताबों पर संतोष व्यक्त किया। कुलपति ने विधि संकाय की समीक्षा करते हुए संकायाध्यक्ष को निर्देशित किया कि वह लीगल एड कउंसिल को सक्रिय करें तथा इसके साथ ही गांवों में भी लीगल एड क्लीनिक संचालित की जाए। बैठक में शिक्षा संकाय द्वारा प्रस्तुत आडिट रिपोर्ट की भी समस्या की गई। कुलपति ने विभागों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शुरू की गई शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सभी की सराहना की। इसके साथ ही कुलपति ने कहा इन सभी गतिविधियों की रिपोर्ट बनाकर रखी जाए तथा इसको वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाए। बैठक में संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो.श्रीवर्धन पाठक, प्रो.सरिता पांडे, प्रो.नसीम अहमद, प्रो.संदीप कुमार, कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी, आईक्यूएसी के प्रो.गौरहरि बेहरा तथा शिक्षकगण शामिल हुए।

डीडीयूजीयू के स्थापना दिवस पर स्टूडेंट्स को मिलेंगे मेडल

मेधावियों को मिलेगा 46 गोल्ड मेडल और 66 स्पॉन्सर्ड/ डोनर गोल्ड मेडल

gorakhpur@inext.co.in
GORAKHPUR (17 April): गोरखपुर यूनिवर्सिटी में 1 मई को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के पीजी प्रोग्राम के साथ साथ बीबीए, बीसीए, बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी स्टूडेंट्स को मेडल वितरित किया जाएगा. वीसी प्रो पूनम टंडन ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सहित कुल 112 स्वर्ण पदक से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा. समारोह में मेधावियों विद्यार्थियों को 46 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 66 स्पॉन्सर्ड/डोनर स्वर्ण पदक दिए जाएंगे. विश्वविद्यालय प्रशासन ने 42वें दीक्षान्त समारोह में स्नातकोत्तर कक्षाओं एवं अन्य की परीक्षाफल घोषित न होने के कारण स्वर्ण पदक प्रदान नहीं किया जा सका था। बैठक में संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो.श्रीवर्धन पाठक, प्रो.सरिता पांडे, प्रो.नसीम अहमद, प्रो.संदीप कुमार, कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी, आईक्यूएसी के प्रो.गौरहरि बेहरा तथा शिक्षकगण शामिल हुए।

स्थापना दिवस समारोह में दिए जायेंगे 112 स्वर्ण पदक

विश्ववार्ता संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 1 मई को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर प्रोग्राम के साथ साथ बीबीए, बीसीए, बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा. समारोह में मेधावियों विद्यार्थियों को 46 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 66 स्पॉन्सर्ड/डोनर स्वर्ण पदक दिए जाएंगे. विश्वविद्यालय प्रशासन ने 42वें दीक्षान्त समारोह में स्नातकोत्तर कक्षाओं एवं अन्य की परीक्षाफल घोषित न होने के कारण स्वर्ण पदक प्रदान नहीं किया जा सका था।

परास्नातक स्तर एवं अन्य कक्षाओं के वर्ष 2023 की परीक्षा में प्रथम प्रयास द्वारा सर्वोच्च सीजीपीए एवं बीबीए, बीसीए, बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची जारी कर दी गई है।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी ने 70 देशों के दूतावासों को भेजी प्रवेश विवरणिका

विदेशी छात्रों को प्रवेश के लिए आकर्षित करने में जुटा विश्वविद्यालय प्रशासन

gorakhpur@inext.co.in
GORAKHPUR (17 April): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में विदेशी विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने का रचनात्मक प्रयास शुरू कर दिया है. विश्वविद्यालय ने दुनिया के कई देशों के दूतावासों से संपर्क साधा है. 70 देशों के दूतावासों में प्रवेश विवरणिका भेज दी गई है. इसके अलावा कई अन्य देशों में भी विवरणिका भेजने की व्यवस्था की जा रही है. विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारतीय उच्चायोग और सभी राष्ट्रमंडल सदस्य देशों के वाणिज्य दूतावासों के साथ ही अफ्रीकी देशों, मध्य पूर्व, दक्षिण पूर्व एशिया और कैरिबियन देशों में स्थित भारतीय दूतावासों व वाणिज्य दूतावासों को भी अपनी प्रवेश विवरणिका भेजी है. इसे सभी सदस्य देशों में प्रसारित करने के आदेशपत्र के साथ लंदन स्थित राष्ट्रमंडल देशों के संगठन के महासचिव के कार्यालय को भी साझा किया गया है. हाल के वर्षों में नैक मूल्यांकन में ए-प्लस प्लस ग्रेड, क्यूएस समेत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में जगह बनाने के कारण उच्च शिक्षा जगत में विश्व फलक पर विश्वविद्यालय का नाम बढ़ा है. विश्वविद्यालय इस उपलब्धि के सहारे विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने में जुटा है. विश्वविद्यालय प्रशासन ने विदेशी छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार कराए गए विवरणिका में विदेशी छात्रों के लिए सुविधाओं का भी विस्तृत उल्लेख किया है.

70 देशों के दूतावासों ने प्रवेश विवरणिका भेज दी गई है. इसके अलावा कई अन्य देशों में भी विवरणिका भेजने की व्यवस्था की जा रही है.

ये साझेदार भी बनेंगे मददगार

विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ ने नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान के विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की हाथ आगे बढ़ाया है. विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि नामांकन प्रक्रिया सुविधाजनक और लचीलेपन होने के कारण ये भी मददगार साबित होंगे.

छह देशों के विद्यार्थियों ने दिखाई रुचि

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल पर भी पंजीकरण कराया है. विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने में इसका चयनित विश्वविद्यालय को मिलने लगा है. केन्याना, घाना, सेनेगल, लेसोथो, बांग्लादेश और नेपाल के छात्रों ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में रुचि दिखाई है. इसे लेकर विश्वविद्यालय ने जानकारी मांगी है.

> "क्यूएस सहित कई अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने सम्मानित जगह बनाई है. इसका फायदा हमें इस बार जरूर मिलेगा. इसे तेजर प्रयास भी किया जा रहा है. अब तक कुल 70 देशों के दूतावासों को प्रवेश विवरणिका भेजी जा चुकी है. पूरी उम्मीद है कि इस बार अपेक्षाकृत अधिक संख्या में विदेशी विद्यार्थी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेंगे.
>
> **प्रो. पूनम टंडन,**
> कुलपति, दीउउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

विदेशी छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार कराई गई विवरणिका में विदेशी छात्रों के लिए सुविधाओं का भी विस्तृत उल्लेख किया है.

Gorakhpur Super Fast Times

यूजी व पीजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र

स्थापना दिवस समारोह में होंगे सम्मानित

मेधावियों को मिलेगा 46 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 66 स्पॉन्सर्ड- डोनर स्वर्ण पदक

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 1 मई को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर प्रोग्राम के साथ-साथ बीबीए,बीसीए,बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्णपदक वितरित किया जाएगा। कुलपति प्रो.पूनम टंडन ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सहित कुल 112 स्वर्ण पदक से मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मेधावियों विद्यार्थियों को 46 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 66 स्पॉन्सर्ड- डोनर स्वर्ण पदक दिया जाएगा। परास्नातक स्तर एवं अन्य कक्षाओं के वर्ष 2023 की परीक्षा में प्रथम प्रयास द्वारा सर्वोच्च सीजीपीए एवं बीबीए,बीसीए,बीफीएड तथा एल-एलएम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची जारी कर दी गई है। प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। प्रस्तावित श्रेष्ठता सूची पर किसी अभ्यर्थी को यदि कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 18.04.2024 (सायं 5:00 बजे तक) तक अभिलेख कक्ष/परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। जानकी के मुताबिक विश्वविद्यालय के 42वें दीक्षान्त समारोह में स्नातकोत्तर कक्षाओं एवं अन्य की परीक्षाफल घोषित न होने के कारण स्वर्ण पदक प्रदान नहीं किया जा सका था।

विधि संकाय लीगल एड क्लीनिक से ग्रामीणों को करेगा जागरुक

कुलपति ने वाणिज्य संकाय को कंसल्टेंसी क्षेत्र में कार्य करने के दिये निर्देश

मुख्य संवाददाता (शाश्वत राम तिवारी)

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का वाणिज्य संकाय परामर्श के क्षेत्र में विकल्पों की तलाश करेगा। इसके साथ ही विधि संकाय को जिम्मेदारी दी गई है को भी लीगल एड क्लीनिक की शुरूआत गांवों में करें। यह बात